इलाहाबाद को ईडीएफसी का अर्ली बर्ड प्रोजक्ट घोषित कराने का प्रयास

इलाहाबाद में नई एकीकृत औद्योगिक टाउनशिप परियोजना ने पकड़ी तेजी

लखनऊ, 06 नवम्बर 2013:

उत्तर प्रदेश सरकार इलाहाबाद विनिर्माण क्लस्टर को ईस्टर्न डेडिकेटेड फ्रेट कॉरीडोर पर प्रस्तावित अमृतसर–दिल्ली–कोलकता इण्डस्ट्रियल कॉरीडोर परियोजना के अर्ली बर्ड प्रोजक्ट के रूप में स्वीकृति दिलाने का प्रयास कर रही है। जिसके लिए लगभग 2500 एकड़ भूमि की आवश्यकता होगी, जिसमें से 1200 एकड़ उपलब्ध है तथा शेष भूमि का प्रबन्ध इलाहाबाद को अर्ली बर्ड प्रोजेक्ट के रूप में स्वीकृति मिलने पर किया जाएगा। यह सूचना प्रमुख सचिव, अवस्थापना एवं औद्योगिक विकास विभाग डा. सूर्य प्रताप सिंह ने इलाहाबाद में संगम के किनारे प्रस्तावित नई एकीकृत औद्योगिक टाउनशिप परियोजना के डिजाइन पर एक प्रस्तुतिकरण के दौरान दी।

ज्ञात हो कि 1840 किमी लम्बा ईस्टर्न डेडिकेटेड फ्रेट कॉरीडोर पंजाब से शुरू होकर उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखण्ड आदि राज्यों से होता हुआ पश्चिम बंगाल तक जाएगा। उत्तर प्रदेश इस परियोजना से अधिकतम लाभ अर्जित करेगा क्योंकि इसका 57 प्रतिशत भाग उत्तर प्रदेश से होकर गुज़रेगा। राज्य सरकार ने डी.एम.आई.सी. की तर्ज़ पर ई.डी.एफ.सी. पर अमृतसर–दिल्ली–कोलकता इण्डस्ट्रियल कोरिडार को विकसित करने के लिये कॉन्सेप्ट पेपर भारत सरकार के समक्ष पहले ही प्रस्तुत कर दिया है।

उपरोक्त प्रस्तुतिकरण इलाहाबाद के **सांसद कुँवर रेवती रमण सिंह तथा इलाहाबाद के विधायकगण–गिरीश चन्द्र पाण्डेय, परवेज़ अहमद तथा डा0 अजय भारतीय के समक्ष किया गया।** इस बैठक में उ.प्र. राज्य औद्योकिगक विकास निगम के प्रबन्ध निदेशक मनोज सिंह तथा सचिव, अवस्थापना एवं औद्योगिक विकास विभाग धीरज साहू ने भी प्रतिभाग किया।

इलाहाबाद में औद्योगिक टाउनशिप विकसित करने की पहल की प्रशंसा करते हुये **रेवती रमण सिंह ने कहा–''हम इलाहाबाद को एक औद्योगिक तथा स्वास्थ्य सुविधाओं से युक्त केन्द्र के रूप में विकसित करना चाहते हैं अतः प्रस्तावित टाउनशिप में संस्थागत भूमि का भाग बढ़ाया जाए।'' सांसद महोदय ने इलाहाबाद में एक रिंग–रोड के निर्माण की आवश्यकता पर भी बल दिया। उन्होंने कहा कि विदेशी निवेशकों को इलाहाबाद में अपनी औद्योगिक इकाइयॉ स्थापित करने के लिये आमंत्रित कीजिए।**

एकीकृत औद्योगिक टाउनशिप के कॉन्सेप्ट पर प्रकाश डालते हुये **प्रमुख सचिव, अवस्थापना एवं औद्योगिक विकास डा0 सूर्य प्रताप सिंह ने कहा –''नई टाउनशिप को संगम के आकार से मिलता–जुलता डिज़ाइन किया जाएगा जिसमें उद्योगों तथा संस्थाओं के लिये प्रचुर भूमि चिन्हित की जाएगी।'' उन्होंने कहा कि नई टाउनशिप के विकसित हो जाने के बाद नया इलाहाबाद नोएडा तथा ग्रेटर नोएडा की तरह उत्कृष्ट अवस्थापना सुविधाओं से युक्त होगा।**

महायोजना के अनुसार 1470 एकड़ में प्रस्तावित औद्योगिक टाउनशिप में 32 प्रतिशत क्षेत्र औद्योगिक होगा जबकि 24 प्रतिशत आवासीय, 16 प्रतिशत हरित पट्टी, 9 प्रतिशत से अधिक संस्थाओं के लिये एवं शेष भाग मिश्रित उपयोग, परिवहन तथा नागरिक सेवाओं के लिये होगा।

इस टाउनशिप में विश्व स्तरीय अवस्थापना सुविधाओं का विकास किया जाएगा, जिसमें शून्य उत्प्रवाह प्रणाली (ज़ीरो डिस्चार्ज), जल–संरक्षण, ऊर्जा स्वनिर्भरता तथा उत्कृष्ट परिवहन सुविधाएं, बस स्टेशन तथा साइकिल ट्रैक भी होंगे।

प्रबन्ध निदेशक, यूपीएसआईडीसी – मनोज सिंह ने बताया कि इस टाउनशिप का विकास यूपीएसआईडीसी द्वारा किया जाएगा जिसके लिए भूमि के प्रबन्ध व हस्तानान्तरण आदि में तेजी लाई जा रही है।